ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

डेयरी पशुओं में जेर रुकने की समस्या एवं प्रबंधन

डॉ.दिलीप कुमार यादव, आईसीएआर- एनडीआरआई, करनाल एवं डॉ. विकास सचान, दुवासु, मथुरा

सामान्यतः गाभिन पशुओं में ब्याने के 3-6घंटे के अंदर जेर स्वतः बाहर निकलआती है , परन्तु यदि ब्याने के 8-12 घंटे के बाद भी जेर नहीं निकला तो उस स्थिति को जेर के रुकने की स्थिति कहा जाता है। जेर की रुकने की समस्या का डेयरी पशु के उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कारण

डेयरी पशुओं जेर रुकने की समस्या आमतौर पर कठिन प्रसव , मिल्कफीवर और जुड़वाँ बच्चे के जन्म से जुड़ा होता है।

लक्षण

1. बच्चेदानी के बाहर जेर लटकना देखा जा सकता है।

2. जेर के टुकड़े बच्चेदानी केअंदर होने पर हाथ डालकर महसूस किया जा सकता है।

3. पशु द्वारा पेट पर बार- बार पैर मारना और दर्द का अनुभव करता है।

4. तेज बुखार होना तथा दूध की मात्रा एकदम कम हो जाना ।

5. बच्चेदानी से दुर्गन्ध काआना।

6. अधिक समय बीतने पर बच्चेदानी से मवाद का बाहर निकलना ।

7. पशु का जेर रुकने के कारण पशु का बैचेन होना।

8. पशु का बार –बार उठना तथा बैठना ।

बचाव एवं प्रबंधन

- ब्याने से 1-2 माह पूर्व दाना मिश्रण के साथ लगभग 150-250 ग्राम सरसों या मूंगफली का तेल रोजाना देना चाहिए ।यह जेर के सही समय पर निकलने में सहायता प्रदान करता है ।
- ब्याने के तुरंत बाद पशुको 0.5-1 किलो गुड़ व गेंहू का दलिया देना चाहिए । इससे जेर निकलने में मदद मिलती है ।
- ये पाया गया है की गर्भावस्था के आखिर महीने में अगर पशुको सेलेनियम और विटामिन दिया जाए और हल्का व्यायाम कराया जाए तो जेर बिल्कुल सही समय पर निकल जाता है।

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

निदान

- अटके हुए जेर को योनि मार्ग में हाथ डालकर धीरे-धीरे खींचकर निकलने का तरीका कई सालों से प्रयोग किया जा रहा है लेकिन कई शोधो से ये ज्ञात हुआ की इससे बच्चेदानी की नाजुक परत को बहुत नुकसान पहुँचता है । सामान्यत: यह देखा गया है जेर रुकने के कारण पशु के बच्चेदानी में सूजन आ जाती जिसका उचित उपचार किसी पशुचिकित्स्क से करवाना चाहिए है ।
- यहां के वातावरण में सबसे बेहतर उपाय यही है की योनि के रास्ते बायाँ हाथ डालकर कैरुनकल और कॉटीलेडोन को छुड़ाया जाए तथा दाए हाथ से जेर का जितना हिस्साआसानी से निकलता है उसे धीरे-

- धीरे निकाला जाए ।अगर पूरी तरह जेर नहीं निकल पा रहा होतो अत्याधिक जोर का उपयोग नहीं करनी चाहिए।
- जेर को निकलने के बाद 3-5 दिन तक बच्चेदानी में 2-4 एंटी – बायोटिक के बोलस रखना चाहिए।
- संक्रमण को रोकने के लिए 2-5 दिन तक अंतर्पेशीय मार्ग से एंटी –बायोटिक लगाना चाहिए।